

30.10.25

Notepress

by

Me

Note
30/10/25

(Adv. Niranjan Singh)

वादिया की ओर से वकील वादिया द्वारा
गार्हना पत्र प्रस्तुत करने पर पत्राली पेशी में
ली गई। वकील वादिया द्वारा गार्हना प्रस्तुत
कर पुनः वादपत्र पेश करने का अधिकार
सुरक्षित रखते हुए नोट पेश के आधार पर
वादपत्र कपित लिपे जाने का निवेदन किया
गया। अतः वकील वादिया का गार्हना स्वीकार
किया जाकर पुनः वादपत्र पेश करने का
अधिकार सुरक्षित रखते हुए नोट पेश के
आधार पर वादिया का वादपत्र इसी स्तर
खातिज किया जाता है। पत्राली बंद तरीक
तकमील होकर दायिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखा जाकर बुले न्यायालय
में सुनाया गया।

(प्रिया राज)
अखण्ड अधिकारी
घड़साना